DEPARTMENT OF MUSIC

Kanya Gurukul Campus, Dehradun
Gurukul Kangri (Deemed to be University), Haridwar, India

One Day Workshop on

Hindustani Shashtriya Sangeet mein Kanth Sadhana

Date: 1st November 2025, Time: 11:00 AM

Keynote Speaker

Dr. Gitanjali Chandra (United Kingdom)
Eminent Classical Performer

Chairperson
Prof. Heman Pathak
Co-ordinator, Department of Computer Science
Kanya Gurukul Campus, Dehradun

Conveners
Dr. Mamta Yadav, Dr. Sarita Negi
Department of Music
Kanya Gurukul Campus, Dehradun

दिनाँक 1 नवंबर 2025 को कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग "हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना" विषय पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ एवं सरस्वती वन्दना के साथ प्रारम्भ हुआ।

कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षिका डॉ. गीतांजली चंद्र रही, जो वर्तमान में लंदन में संगीत साधना के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में उन्होंने संगीत के विद्यार्थियों को कहा कि आज के दौर में बच्चे शॉर्ट कट माध्यम से गायन के लिए तत्पर रहते हैं जबकि सच्ची साधना से ही सफ़लता मिलती है उसमें भी कंठ साधना विशेष रूप में अवश्यक है। उन्होंने राग तोड़ी से कार्यशाला का शुभारंभ किया उन्होंने कहा कि 12 बजे से पहले का पहर इस राग के लिए उपयुक्त है। इसके बाद उन्होंने विभिन्न रगों जिसमें राग पीलू, राग जोग आदि की जानकारी तथा गायन किया गया। कार्यशाला में श्री शरद सिन्हा ने तबला पर संगत करी तथा हारमौनियम पर साथ दिया श्री दिनेश कृष्ण जी ने, कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉक्टर गीतांजलि जी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर तथा कई अन्य रागों जिसमें राग भैरव, यमन, झुला आदि का विधिवत्त प्रशिक्षण दिया। परिसर की समन्वयक प्रोफेसर हेमंन पाठक ने स्वागत संबोधन में कहा कि आज हरिबोधीनी एकादशी के पावन पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम से निश्चित रूप में संगीत के साधकों को लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम की संयोजिकायें डॉक्टर ममता यादव तथा डॉक्टर सरिता नेगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन डॉक्टर अर्चना डिमरी द्वारा किया गया. कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों तथा विद्यालयों से संगीत के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

संगीत विभाग
कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून
गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय
GPS Map Camera
Dehradun,Uttarakhand,India
Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336226, Long 78.061023
Saturday, 01/11/2025 11:54 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

संगीत विभाग
कन्या गुरुकुल, देहरादून
गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार
एक दिवसीय कार्यशाला
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना
प्रशिक्षिका
डॉ. गीतांजलि चंद्रा (UNITED KINGDOM)
प्रख्यात शास्त्रीय संगीत कलाकार
NOVEMBER
SATURDAY
01
11:00AM TO 4:00 PM
SEMINAR HALL
LUNCH : 1:00 PM
कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून
GPS Map Camera
Dehradun,Uttarakhand,India
Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336284, Long 78.061035
Saturday, 01/11/2025 02:15 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Dehradun,Uttarakhand,India
Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336198, Long 78.061036

GPS Map Camera
Dehradun,Uttarakhand,India
Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India
Lat 30.336233, Long 78.061018
Saturday, 01/11/2025 12:52 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

GPS Map Camera
Dehradun,Uttarakhand,India
Kandholi, Chironwali, Dehradun, Uttarakhand 248001, India

The Himachal Times

Published from Dehradun & Shimla • 76th year of Publication • *Founded by S.P Pandhi*

VOL.LXXIV, No. RNI No 15357/67 UTTARAKHAND EDITION DEHRADUN • SUNDAY • 2 NOVEMBER, 2025

Follow us on X twitter.com/HimachalTimes47 & Instagram Pages 8 2.00

One-day workshop on vocal training in Hindustani Classical Music held at Kanya Gurukul

Dehradun, Nov 1 (HTNS): A one-day workshop on "Vocal Training in Hindustani Classical Music (Kanth Sadhana)" was organized by the Music Department at Kanya Gurukul Campus, Dehradun.

The workshop was conducted by eminent classical vocalist Dr. Geetanjali Chandra, who is currently based in London, engaged in musical practice as well as teaching Hindustani classical music.

In the inaugural session, Dr. Chandra addressed the students, emphasizing that in today's era, many young learners look for shortcuts in singing, whereas true success comes only through dedicated practice, particularly through Kanth Sadhana (voice training). She commenced the workshop with a rendition and detailed explanation of Raga Todi, noting that the hours before noon are most appropriate for this raga. She also introduced and demonstrated several other ragas, including Raga Peelu, Raga Jog, and more.

Tabla accompaniment was provided by Sharad Sinha, while Dinesh Krishna supported on the harmonium.

In the second session, Dr. Chandra interacted with students, answered their queries, and imparted structured training on ragas such as Bhairav, Yaman, and Jhula.

Welcoming the participants, Campus Coordinator Professor Hemant Pathak said that organizing this workshop on the auspicious occasion of Haribodhini Ekadashi will significantly benefit students and practitioners of classical music.

Expressing gratitude, the program coordinators Dr. Mamta Yadav and Dr. Sarita Negi said that the Music Department regularly organizes such specialized training workshops for students and that more renowned artists will be invited in the future.

The workshop was efficiently conducted by Dr. Archana Dimri. Music students from various institutions and schools participated in the event.

मौजूद रहे। प्रतियोगिता में ... आराध्या रहीं। मिनी बॉक्सर रही। मोस्ट प्रॉमिसिंग बॉक्सर अभिनव रहे। मोस्ट प्रॉमिसिंग ब्वॉयज वर्ग में बेस्ट बॉक्सर- अभिनव रहे। मोस्ट प्रॉमिसिंग बॉक्सर हार्दिक रहे। जूनियर गर्ल्स वर्ग में बेस्ट बॉक्सर मुस्कान बिष्ट रहीं। सब-जूनियर गर्ल्स में बेस्ट बॉक्सर नव्या रहीं। मोस्ट प्रॉमिसिंग बॉक्सर स्नेहा रहीं।

शास्त्रीय संगीत के लिए साधना जरूरी

देहरादून। कन्या गुरुकुल महाविद्यालय में शनिवार को संगीत विभाग की ओर से कार्यशाला आयोजित की गई।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर आधारित कार्यशाला में डॉ. गीतांजली चंद्र मुख्य प्रशिक्षिका रहीं। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत के लिए लगन और साधना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि में बच्चे शॉर्टकट

बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में हरिद्वार के नितिन कुमार ने जीत दर्ज की। क्रास कंट्री, 100 मीटर व 400 मीटर रिले में एमपीएससी अव्वल रहा। 200 मीटर दौड़ में ऊधमसिंह नगर के अभय गोदियाल, अंडर-17 एमपीएससी के अभिषेक चौहान और 200 मीटर दौड़ में हितेश सिंह ने जीत हासिल की। पोल वाल्ट में पिथौरागढ़ के आयुष टम्टा, अंडर-14 गोला फेंक में नैनीताल के हर्षित बिष्ट, रिले दौड़ में देहरादून के सागर, अजीत व हरिद्वार के वंश कटारिया ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-19 बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में चमोली की स्नेहा गौड़, 400 मीटर में रुद्रप्रयाग की प्राची जोशी, 100 मीटर हर्डल में चंपावत की मनीषा, 400 किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी हेमलता गौड़, प्रधानाचार्य प्रतिभा पाठक, प्रधानाचार्य प्रेमलता बौड़ाई, सुनील जोशी, अवनींद्र बर्थवाल, दिनेश भट्ट, संजय बिजल्वाण आदि मौजूद रहे।

शास्त्रीय संगीत के लिए लगन और साधना जरूरी

- हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर कार्यशाला
- डा. गीतांजली चंद्र बोलीं- सच्ची साधना से ही सफलता मिलती है
- उन्होंने राग पीलू, राग जोग आदि की जानकारी भी दी

कन्या गुरुकुल में आयोजित कार्यक्रम में हिंदुस्तान शास्त्रीय संगीत की जानकारी देतीं डा. गीतांजली चंद्र व मौजूद छात्राएं • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून: कन्या गुरुकुल परिसर के संगीत विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। शनिवार को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर आधारित कार्यशाला में डा. गीतांजली चंद्र मुख्य प्रशिक्षिका रहीं। उन्होंने कहा, शास्त्रीय संगीत के लिए लगन और साधना बहुत जरूरी है।

डा. गीतांजली चंद्र वर्तमान में लंदन में संगीत साधना के साथ हिंदुस्तानी शास्त्रीय का प्रशिक्षण दे रही हैं। उन्होंने संगीत के विद्यार्थियों को कहा, आज के दौर में बच्चे शार्ट कट माध्यम से गायन के लिए तत्पर रहते हैं। जबकि सच्ची साधना से ही सफलता मिलती है। उसमें भी कंठ साधना विशेष रूप में आवश्यक है। उन्होंने राग तोड़ी से कार्यशाला का शुभारंभ किया और कहा, 12 बजे से पहले का पहर इस राग के लिए उपयुक्त है। साथ ही उन्होंने राग पीलू, राग जोग आदि की जानकारी देने के साथ गायन भी किया। कार्यशाला में शरद सिन्हा ने तबले पर संगत की और दिनेश कृष्णा ने हारमोनियम पर साथ दिया। अंत में उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर देने के साथ राग भैरव, यमन, झुला आदि का विधिवत्त प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर परिसर की समन्वयक प्रो. हेमंत पाठक, डा. ममता यादव, डा. सरिता नेगी, डा. अर्चना डिमरी आदि मौजूद रहे।

बिड़ला परिसर व डीएवी के बीच होगा फाइनल

आयुर्वेद विवि में सीटें बढ़ीं, काउंसलिंग स्थगित

जागरण संवाददाता, देहरादून : राष्ट्रीय

आयोजन किया है।
सरस्वती विद्या मंदि
विकासनगर में कि
का प्रमुख आकर्षण
की 150वीं जयंती
अर्पित करना रहा।
अध्यक्षता करते हुए
विज्ञान विभागाध्यक्ष
समन्वयक डा जगम
भगवान बिरसा मुंडा
त्याग, नेतृत्व और स
योगदान पर प्रकाश

संत कबीर एके

जागरण संवाददाता,
कबीर एकेडमी में श
वार्षिकोत्सव धूमधाम
इस अवसर पर विद्या
सांस्कृतिक प्रस्तुतियो
आत्मविकास और म
संदेश दिया। कार्यक्र
आइआइआरएस एव
सीएसएसटीईपी दे
निदेशक डा. राघवेंद्र

बच्चों को पर्यावर

जागरण संवाददाता
पीएमश्री केंद्रीय विद्य
'हरित विद्यालय' वि
विशेषज्ञ कार्यशाला
जिसमें बच्चों को पर्या
स्वच्छता के प्रति जाग
मुख्य वक्ता सामाजि
सोशल डेवलपमेंट
फाउंडेशन के अध्यक्ष

हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर कार्यशाला, दी जानकारियां

देहरादून(नगर संवाददाता)। कन्या गुरुकुल परिसर के संगीत विभाग हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंठ साधना की बारीकियों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षिका डॉ. गीतांजली चंद्र रही , जो वर्तमान में लंदन में संगीत साधना के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय का प्रशिक्षण भी दे रही है। प्रथम सत्र में उन्होंने संगीत के विद्यार्थियों को कहा कि आज के दौर में बच्चे शॉर्ट कट माध्यम से गायन के लिए तत्पर रहते हैं जबकि सच्ची साधना से ही सफलता मिलती है उसमें भी कंठ साधना विशेष रूप में अवश्यक है। उन्होंने कहा कि बारह बजे से पहले का पहर इस राग के लिए उपयुक्त है और इसके बाद उन्होंने विभिन्न रगों जिसमें राग पीलू, राग जोग आदि की जानकारी तथा गायन किया गया. इस दौरान कार्यशाला में शरद सिन्हा ने तबला पर संगत की और ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर तथा कई अन्य रागों का विधिवत प्रशिक्षण दिया.

वहीं परिसर की समन्वयक प्रोफेसर हेमंत पाठक ने स्वागत संबोधन में कहा कि में संगीत के साधकों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम की संयोजिकायें डॉ. ममता यादव व डॉ. सरिता नेगी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संगीत विभाग के द्वारा समय रही हैं. आगे भी कई सुप्रसिद्ध कलाकारों को परिसर में आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यशाला का संचालन डॉक्टर अर्चना डिमरी द्वारा किया गया और

न्यूज डायरी

शास्त्रीय संगीत के लिए लगन व साधना जरूरी

देहरादून। कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून के संगीत विभाग की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। शनिवार को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में कंठ साधना विषय पर आधारित कार्यशाला में डॉ. गीतांजली चंद्र मुख्य प्रशिक्षिका रहीं। उन्होंने कहा, शास्त्रीय संगीत के लिए लगन और साधना बहुत जरूरी है। डॉ. गीतांजली चंद्र वर्तमान में लंदन में संगीत साधना के साथ हिंदुस्तानी शास्त्रीय का प्रशिक्षण भी दे रही हैं। उन्होंने राग तोड़ी से कार्यशाला का शुभारंभ किया और कहा, 12 बजे से पहले का पहर इस राग के लिए उपयुक्त है। साथ ही उन्होंने राग पीलू, राग जोग आदि की जानकारी देने के साथ गायन भी किया। कार्यशाला में शरद सिन्हा ने तबला पर संगत की और दिनेश कृष्ण ने हारमौनियम पर साथ दिया। इस मौके पर परिसर की समन्वयक प्रो. हेमंन पाठक, डॉ. ममता यादव, डॉ. सरिता नेगी, डॉ. अर्चना डिमरी आदि मौजूद रहीं। मा.सि.रि.